

Padma Bhushan



SHRI VICTOR BANERJEE

Shri Victor Banerjee is a renowned actor who has worked in several award-winning Indian and International films of repute and also worked extensively on Stage in Calcutta and Bombay in theatre ranging from Musicals to Shakespeare, Opera to Folk theatre. He is the only actor to have worked with two of the greatest filmmakers of all time, Sir David Lean and Shri Satyajit Ray. Sir David Lean's "A Passage to India" won 3 Oscars, and earned Shri Banerjee a British Academy Award nomination. The BBC and Canadian Television picked him as one of six celebrities like Placido Domingo, Kiri Te Kanawa and Jackie Stewart and others in a series called "Return Journey" to document the lives of successful international artistes who preferred living in their Home Countries. Though outwardly a liberal world citizen, he remains at heart a conservative orthodox Bengali and Indian Bharatvarshi.

2. Born on 15th October 1946 in Calcutta, Shri Banerjee's father was an Army Officer in the Mahar Regiment who later went on to become a tea planter in Assam, where he spent his entire childhood. Till the age of 52 he was playing in the Calcutta Football and Hockey Leagues. He also looked after and ran (still does) the residential "Moran Blind School" established 50 years ago, near Dibrugarh, in Upper Assam: rated one of the best run establishments of its kind in India. He personally founded the first "Cine Co-Artiste's Union" for Film Extras, in the West Bengal Film Industry.

3. Shri Banerjee is the Brand Ambassador of the Srimanta Sankardev Society of Assam, the Goodwill Ambassador of the Dimasa tribe of the North Cachar hill tracts, the Brand Ambassador for the Uttarakhand Bird watchers Association, and a Board Member of PFA (People for Animals).

4. Shri Banerjee and his films have been the recipient of several International Awards, including the prestigious National Board of Review of America that very few non Americans and no Asian actor has ever received. He is the only Asian Actor who has played a lead role (as Jesus Christ) in British Theatre in England. His film Dev Bhoomi shot in Garhwal, directed by Goran Paskaljevic, won the best film award at the Bari Film Festival in Italy. Pavan Kaul's film "The Answer" in which he played Paramhansa Yogananda won 17 major international awards, while his role as Rabindranath Tagore in Pablo Cesar's Argentinian film "Thinking of Him" featured as the closing film at the International Film Festival in Goa. His documentary on the Indian Railways won the Gold Award at the Houston International Film Festival in a field of 3100 entries from 27 countries. He has also received the National Award in India in three different categories, as an Actor, Cinematographer and Director. In 2020 he was the recipient of the "Satyajit Ray Memorial Award for Lifetime Achievement", presented by the West Bengal Film Journalists' Association.

पद्म भूषण



श्री विकटर बैनर्जी

श्री विकटर बैनर्जी एक प्रख्यात अभिनेता हैं, उन्होंने अनेक प्रतिष्ठित भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त फिल्मों में काम किया है और कलकत्ता और बॉम्बे के रंगमंच क्षेत्र में बड़े स्तर पर काम किया है जिसमें संगीत नाटकों और शेक्सपियर ओपेरा से लेकर लोक रंगमंच तक शामिल हैं। वह एकमात्र अभिनेता हैं जिन्होंने अब तक सर्वकालिक दो महानतम फिल्म निर्माता सर डेविड लीन और श्री सत्यजीत रे के साथ काम किया है। सर डेविड लीन की "ए पैसेज टू इंडिया" ने 3 ऑस्कर जीते और उन्हें ब्रिटिश अकादमी पुरस्कार नामांकन प्राप्त हुआ। बीबीसी और कनाडाई टेलीविजन ने अपने देश में रहना पसंद करने वाले सफल अंतरराष्ट्रीय कलाकारों के जीवन को दर्ज करने के लिए "रिटर्न जर्नी" नामक एक श्रृंखला में उन्हें प्लासिडो डोमिंगो, किरी तेकनावा और जैकी स्टीवर्ट जैसी छह हस्तियों में शामिल किया है। हालांकि वह बाहरी रूप से एक उदार विश्व नागरिक हैं परंतु दिल से एक पारंपरिक बंगाली और भारतीय हैं।

2. 15 अक्तूबर, 1946 को कलकत्ता में जन्में, श्री बैनर्जी के पिता महार रेजिमेंट में एक सेना अधिकारी थे, जो बाद में असम में चाय उगाने लगे। वहीं उन्होंने अपना पूरा बचपन बिताया। वह 52 वर्ष की उम्र तक कलकत्ता फुटबॉल और हॉकी लीग में खेलते रहे। उन्होंने ऊपरी असम में डिब्रूगढ़ के पास 50 साल पहले स्थापित आवासीय "मोरन ब्लाइंड स्कूल" की भी देखरेख की और उसका संचालन किया (अभी भी करते हैं); इसे भारत में अपनी तरह के एक सबसे बेहतर ढंग से संचालित प्रतिष्ठान का दर्जा प्राप्त है। उन्होंने पश्चिम बंगाल फिल्म उद्योग के जूनियर कलाकारों के लिए पहली "सिने को-आर्टिस्ट यूनियन" की स्थापना की।

3. श्री बैनर्जी असम की श्रीमंत शंकरदेव सोसायटी के ब्रांड एंबेसडर, उत्तरी कछार पहाड़ी क्षेत्र की दिमासा जनजाति के गुडविल एंबेसडर और पीपुल फॉर एनिमल एवं उत्तराखंड बर्ड वॉचर्स एसोसिएशन के ब्रांड एंबेसडर भी हैं।

4. श्री बैनर्जी और उनकी फिल्मों को कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं जिनमें प्रतिष्ठित नेशनल बोर्ड ऑफ रिव्यू ऑफ अमेरिका भी शामिल है, जिसे बहुत कम गैर-अमेरिकी और किसी भी एशियाई अभिनेता को प्रदान किया गया है। वह एकमात्र एशियाई अभिनेता हैं, जिन्होंने इंग्लैंड के ब्रिटिश थिएटर में मुख्य भूमिका (यीशु मसीह के रूप में) निभाई है। गोरान पास्कलजेविक द्वारा निर्देशित गढ़वाल में शूट की गई उनकी फिल्म 'देव भूमि' ने इटली के बारी फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार जीता। पवन कौल की फिल्म "द आंसर" जिसमें उन्होंने परमहंस योगानंद की भूमिका निभाई थी, ने 17 प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीते, जबकि रवींद्रनाथ टैगोर की भूमिका वाली पाब्लो सीजर की अर्जेटीनियाई फिल्म "थिंकिंग ऑफ हिम" को गोवा के अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में समापन फिल्म के रूप में दिखाया गया था। भारतीय रेलवे पर उनके वृत्तचित्र ने ह्यूस्टन अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में 27 देशों की 3100 प्रविष्टियों के बीच स्वर्ण पुरस्कार जीता। उन्होंने तीन अलग-अलग श्रेणियों, अभिनेता, छायाकार और निर्देशक के रूप में भारतीय राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला है। 2020 में उन्हें पश्चिम बंगाल फिल्म पत्रकार संघ द्वारा सत्यजीत रे मेमोरियल अवार्ड फॉर लाइफटाइम अचीवमेंट " प्रदान किया गया था।